

कूटनीति और पर्यटन

डॉ भूपेंद्र कुमार साहू*

सारांश

देश की समृद्ध विरासत और विविध व्यंजनों का लाभ उठाकर भारत के 'सॉफ्ट पावर' को बढ़ाया जा सकता है तथा विदेशी राजस्व को आकर्षित किया जा सकता है। ऐसा कर भारत रोज़गार को बढ़ावा दे सकता है और असंगठित क्षेत्र को आकर्षित कर सकता है। भारत का 'वसुधैव कुटुंबकम' का दर्शन बहुपक्षवाद का समर्थन करता है और पाक पर्यटन (culinary tourism) इस लोकाचार को प्रदर्शित कर सकता है। हाल की धर्मशाला घोषणा वैश्विक पर्यटन में भारत की संभावना को चिह्नित करता है और घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देता है।

पर्यटन और वैश्वीकरण परस्पर जुड़ी हुई घटनाएँ हैं जो हाल के दशकों में काफी विकसित हुई हैं। वैश्वीकरण का तात्पर्य प्रौद्योगिकी, संचार, परिवहन और व्यापार में प्रगति के कारण देशों और संस्कृतियों के बीच बढ़ती हुई परस्पर संबद्धता और अन्योन्याश्रयता से है। दूसरी ओर, पर्यटन में अवकाश, मनोरंजन, व्यवसाय या अन्य उद्देश्यों के लिए लोगों का एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना शामिल है। जबकि वैश्वीकरण ने पर्यटन उद्योग के विकास को सुगम बनाया है, पर्यटन ने बदले में, दुनिया भर में लोगों, संस्कृतियों और अर्थव्यवस्थाओं को जोड़कर वैश्वीकरण के प्रसार में योगदान दिया है। हालाँकि, स्थानीय संस्कृतियों, पर्यावरण और समुदायों के लिए आर्थिक लाभ और संभावित नकारात्मक परिणामों दोनों पर विचार करते हुए, पर्यटन के प्रभावों को जिम्मेदारी से प्रबंधित करना महत्वपूर्ण है।

* सहायक प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान, छत्तीसगढ़, भारत

प्रस्तावना

देश की समृद्ध विरासत और विविध व्यंजनों का लाभ उठाकर भारत के 'सॉफ्ट पावर' को बढ़ाया जा सकता है तथा विदेशी राजस्व को आकर्षित किया जा सकता है। ऐसा कर भारत रोज़गार को बढ़ावा दे सकता है और असंगठित क्षेत्र को आकर्षित कर सकता है। भारत का '**वसुधैव कुटुंबकम**' का दर्शन बहुपक्षवाद का समर्थन करता है और पाक पर्यटन (culinary tourism) इस लोकाचार को प्रदर्शित कर सकता है। हाल की **धर्मशाला घोषणा** वैश्विक पर्यटन में भारत की संभावना को चिह्नित करता है और घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देता है।

विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) के अनुसार, पर्यटन तेजी से विस्तार करने वाले क्षेत्रों में से एक है, जो दुनिया भर के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 10% से अधिक का महत्वपूर्ण योगदान देता है (यूएनडब्ल्यूटीओ 2017; मिकायिलोव एट अल. 2019)। अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या, जो 1950 में 25 मिलियन थी, में पर्याप्त वृद्धि देखी गई, जो 1970 तक 166 मिलियन तक पहुंच गई, और अंततः 2018 में 1.442 बिलियन तक बढ़ गई। अनुमान बताते हैं कि यह आंकड़ा 2030 तक 1.8 बिलियन तक बढ़ने की उम्मीद है। 1980 से, विश्व पर्यटन दिवस हर साल 27 सितंबर को मनाया जाता है। यह तिथि 1970 में संगठन के क़ानूनों की स्वीकृति का स्मरण कराती है, जिसने पाँच साल बाद UNWTO की स्थापना की नींव रखी। 2023 में, UNWTO अधिक और अधिक सटीक निवेश के महत्व पर जोर देता है जो व्यक्तियों और पर्यावरण दोनों को लाभ पहुँचाता है, और समग्र समृद्धि में योगदान देता है। पर्यटन और वैश्वीकरण परस्पर जुड़ी हुई घटनाएँ हैं जो हाल के दशकों में काफी विकसित हुई हैं। वैश्वीकरण का तात्पर्य प्रौद्योगिकी, संचार, परिवहन और व्यापार में प्रगति के कारण देशों और संस्कृतियों के बीच बढ़ती हुई परस्पर संबद्धता और अन्योन्याश्रयता से है। दूसरी ओर, पर्यटन में अवकाश, मनोरंजन, व्यवसाय या अन्य उद्देश्यों के लिए लोगों का एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना शामिल है। जबकि वैश्वीकरण ने पर्यटन उद्योग के विकास को सुगम बनाया है, पर्यटन ने बदले में, दुनिया भर में लोगों, संस्कृतियों और अर्थव्यवस्थाओं को जोड़कर वैश्वीकरण के प्रसार में योगदान दिया है। हालाँकि, स्थानीय संस्कृतियों, पर्यावरण और समुदायों के लिए आर्थिक लाभ और संभावित नकारात्मक परिणामों

दोनों पर विचार करते हुए, पर्यटन के प्रभावों को जिम्मेदारी से प्रबंधित करना महत्वपूर्ण है।

पर्यटन का प्रभाव

- सांस्कृतिक आदान-प्रदान और एकीकरण : पर्यटन संस्कृतियों, परंपराओं और विचारों के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करता है, जिससे वैश्विक सांस्कृतिक एकीकरण को बढ़ावा मिलता है। दुनिया भर के लोग यात्रा करते हैं और बातचीत करते हैं, वे सांस्कृतिक प्रथाओं, भाषाओं और व्यंजनों को साझा करते हैं, जिससे अंतर-सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा मिलता है।
- आपूर्ति श्रृंखलाओं और व्यापार का वैश्वीकरण: पर्यटन उद्योग आपूर्तिकर्ताओं और सेवा प्रदाताओं के वैश्विक नेटवर्क पर निर्भर करता है, जो आपूर्ति श्रृंखलाओं और व्यापार के वैश्वीकरण को बढ़ाता है। होटल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सामान खरीदते हैं, एयरलाइंस वैश्विक स्तर पर काम करती हैं और दूर ऑपरेटर दुनिया भर में सहयोग करते हैं।
- आर्थिक लाभ : पर्यटन एक महत्वपूर्ण वैश्विक उद्योग है जो आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और हवाई अड्डों और होटलों जैसे बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देता है। यह आर्थिक परस्पर निर्भरता व्यापार और निवेश को बढ़ावा देकर वैश्वीकरण को बढ़ावा देती है।
- पर्यावरण और सामाजिक प्रभाव : पर्यटन के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह के पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभाव होते हैं। यह वैश्विक स्तर पर सतत पर्यटन और पर्यावरण और सांस्कृतिक संरक्षण के प्रति जागरूकता को बढ़ावा दे सकता है। हालाँकि, यह अति-पर्यटन, पर्यावरण क्षरण और सांस्कृतिक वस्तुकरण को भी जन्म दे सकता है, जिसके लिए अंतराष्ट्रीय सहयोग और समाधान की आवश्यकता होती है।
- सांस्कृतिक समरूपीकरण : जबकि कुछ लोग तर्क देते हैं कि पर्यटन संगीत, फैशन, फिल्में और भोजन जैसे मीडिया के माध्यम से पश्चिमी आदर्शों को फैलाता है, जो संभावित रूप से संस्कृतियों को समरूप बनाता है, यह इन मूल्यों को प्रसारित करने का एकमात्र साधन नहीं है।

भारत में पर्यटन का महत्व

- विदेशी मुद्रा: पर्यटन क्षेत्र भारत के तीसरे सबसे बड़े मुद्रा अर्जक के रूप में भुगतान संतुलन (balance of payments) में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

उदाहरण के लिये, आगरा में ताजमहल देखने के लिये अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की आमद, जिससे बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा राजस्व उत्पन्न होता है।

- गुणक प्रभाव: पर्यटन का अन्य क्षेत्रों, जैसे खाद्य एवं खानपान, होटल एवं रेस्तरां, रियल एस्टेट और परिवहन पर भी सकारात्मक 'स्पिलओवर इफ़ेक्ट' पड़ता है।

उदाहरण के लिये, जयपुर जैसे शहर में पर्यटन में वृद्धि के कारण स्थानीय शिल्प, रियल एस्टेट विकास और परिवहन सेवाओं की मांग में वृद्धि हुई है।

- समावेशी विकास: पर्यटन उद्योग अपेक्षाकृत कमज़ोर अवसंरचना वाले नाजुक और दूरस्थ ग्रामीण, जनजातीय एवं पहाड़ी क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधि को उत्प्रेरित करता है, जहाँ सांस्कृतिक विरासत स्थलों और पारिस्थितिक स्थलों का मूल्य उजागर होता है।

उदाहरण के लिये, भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में पारिस्थितिकी पर्यटन (eco-tourism) ने रोज़गार के अवसर पैदा किये हैं और इन क्षेत्रों में सतत विकास को बढ़ावा दिया है।

- अंतर-सांस्कृतिक आदान-प्रदान: यह नये विचारों को संवर्द्धित करता है, सहिष्णुता एवं विविधता की स्वीकृति को बढ़ावा देता है, इस प्रकार भारत में सामाजिक पूंजी के निर्माण में मदद करता है।

उदाहरण के लिये, जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल और गोवा कार्निवल जैसे उत्सव पूरे भारत से पर्यटकों को आकर्षित करते हैं तथा राष्ट्रीय एकता एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान की भावना को बढ़ावा देते हैं।

- रणनीतिक कूटनीति उपकरण: पर्यटन द्विपक्षीय संबंधों और लोगों के बीच परस्पर संपर्क को बढ़ाता है तथा स्थायी 'निर्भरता बंधन' (dependency bonds) का निर्माण करता है, जो शांति सुनिश्चित करता है।

उदाहरण के लिये, पर्यटन के माध्यम से जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों के साथ भारत के सांस्कृतिक आदान-प्रदान ने राजनयिक संबंधों और आपसी समझ को सुदृढ़ किया है।

भारत में पर्यटन संबंधी पहल

- पर्यटक स्थलों का आकर्षण बढ़ाना-स्वदेश दर्शन योजना: सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक विरासत का लाभ उठाते हुए पूरे भारत में थीम आधारित पर्यटन सर्किट विकसित करने के लिये स्वदेश दर्शन योजना शुरू की गई थी। यह बौद्ध सर्किट, तटीय सर्किट, मरुस्थल सर्किट और इको सर्किट जैसे विभिन्न सर्किटों में बेहतर अवसंरचना एवं पर्यटक अनुभव सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखता है।
- प्रसाद योजना (PRASAD Scheme): यह तीर्थ स्थलों के विकास और सौंदर्यीकरण पर केंद्रित है।
- हृदय (Heritage City Development and Augmentation Yojana-HRIDAY): इसका उद्देश्य विरासत शहरों को संरक्षित और पुनःजीवंत करना है।
- पर्यटन पर्व: घरेलू पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिये एक राष्ट्रव्यापी अभियान, जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ शामिल होंगी।
- 'देखो अपना देश' पहल: देखो अपना देश पहल भारत के विविध भूदृश्यों और सांस्कृतिक विरासत के अन्वेषण को बढ़ावा देकर घरेलू पर्यटन को प्रोत्साहित करती है।
- एक भारत श्रेष्ठ भारत: 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' राज्य युग्मों के माध्यम से सांस्कृतिक एकीकरण को बढ़ावा देता है, आदान-प्रदान एवं सहयोग को प्रोत्साहित करता है और एकता एवं विविधता को बढ़ावा देता है; इस प्रकार,

घरेलू पर्यटन और सांस्कृतिक सराहना (cultural appreciation) को बढ़ाता है।

- राष्ट्रीय पर्यटन नीति, 2022: नवीन नीति का उद्देश्य देश में पर्यटन विकास के लिये ढाँचागत स्थितियों में सुधार करना, पर्यटन उद्योगों को समर्थन देना, पर्यटन को सुदृढ़ करना, सहायक कार्यों एवं पर्यटन उप-क्षेत्रों को विकसित करना और निम्नलिखित पाँच प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना है:

हरित पर्यटन,

डिजिटल पर्यटन,

गंतव्य प्रबंधन,

आतिथ्य क्षेत्र में कौशल विकास, और

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSMEs) से संबंधित पर्यटन को समर्थन देना।

डिजिटल पहल

- ई-वीजा सुविधा: यह पहल वीजा आवेदन प्रक्रिया को सरल बनाती है, जिससे पर्यटकों को ऑनलाइन आवेदन करने और इलेक्ट्रॉनिक वीजा प्राप्त करने की सुविधा मिलती है। इससे सुविधा बढ़ती है और अंतर्राष्ट्रीय आगमन को बढ़ावा मिलता है।
- वेब-आधारित ई-टिकटिंग: प्रमुख पर्यटक आकर्षण स्थलों और स्मारकों के लिये कार्यान्वित यह प्रणाली प्रतीक्षा समय को कम करती है तथा आगंतुक प्रबंधन में सुधार करती है।
- आतिथ्य उद्योग का राष्ट्रीय एकीकृत डेटाबेस (National Integrated Database of Hospitality Industry- NIDHI): देश भर में आवास इकाइयों के एक व्यापक डेटाबेस के रूप में NIDHI का उद्देश्य आतिथ्य क्षेत्र के बारे में सटीक एवं अद्यतन जानकारी प्रदान करना है।
- स्वच्छ पर्यटन मोबाइल ऐप: पर्यटन स्थलों पर स्वच्छता संबंधी मुद्दों के समाधान के लिये शुरू किया गया यह ऐप पर्यटकों को गंदगी वाले क्षेत्रों की

सूचना देने की सुविधा देता है, जिससे अधिकारियों द्वारा समय पर कार्रवाई सुनिश्चित होती है।

विश्वसनीय पर्यटन

यह एक महत्वपूर्ण अवधारणा और अभ्यास है जिसका उद्देश्य दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं और संस्कृतियों के परस्पर जुड़ाव को ध्यान में रखते हुए जिम्मेदार और पर्यावरण के अनुकूल यात्रा को बढ़ावा देना है। इसका उद्देश्य पर्यावरण, स्थानीय समुदायों और संस्कृति पर पर्यटन के नकारात्मक प्रभावों को कम करना है, जबकि इसमें शामिल सभी हितधारकों के लिए लाभ को अधिकतम करना है। वैश्वीकृत दुनिया में टिकाऊ पर्यटन के कुछ प्रमुख पहलू इस प्रकार हैं:

- पर्यावरण संरक्षण जैसे, कार्बन फुटप्रिंट को कम करना, और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा करना।
- सांस्कृतिक सम्मान, संरक्षण और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को समर्थन।
- समुदाय-आधारित पर्यटन के माध्यम से सामुदायिक भागीदारी और सशक्तिकरण।
- विरासत स्थलों का संरक्षण।
- प्रौद्योगिकी और नवाचार का उपयोग करके स्मार्ट गंतव्य प्रबंधन
- जिम्मेदार पर्यटन के महत्व के बारे में यात्रियों के बीच जागरूकता बढ़ाना।
- पर्यावरण और सांस्कृतिक संरक्षण कानूनों को लागू करना तथा प्रोत्साहनों और नीतियों के माध्यम से टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देना।

पर्यटन नीति और अंतरराष्ट्रीय संबंध

पर्यटन नीतियाँ और अंतरराष्ट्रीय संबंध आपस में घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं। जिस तरह से देश पर्यटन को अपनाते हैं, जिसमें उनकी वीजा नीतियाँ, विपणन रणनीतियाँ और संकट प्रबंधन शामिल हैं, वे अन्य देशों के साथ उनके कूटनीतिक संबंधों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकते हैं। जब प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया जाता है, तो पर्यटन आपसी समझ, आर्थिक सहयोग और शांतिपूर्ण अंतरराष्ट्रीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए एक शक्ति हो सकता है। सरकार के राजनीतिक निर्णय सीधे तौर पर प्रभावित

करते हैं कि पर्यटन कैसे विकसित होता है। पर्यटन कूटनीति की उन्नति और इसके अनुप्रयोग के परिणामस्वरूप पर्यटकों का आगमन, रोजगार के अवसर और राष्ट्रीय आय में वृद्धि के कारण आर्थिक समृद्धि और अंततः एक सुरक्षित और शांतिपूर्ण समाज की स्थापना हो सकती है। दूसरी ओर, रैखिक और अनुप्रस्थ शक्तियों के संगम ने सरकारों को पर्यटन की घटना को अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में प्रभाव के लिए एक प्रभावी साधन के रूप में देखने और पर्यटन क्षेत्र को बढ़ाने के लिए कूटनीति को एक शक्तिशाली रणनीति के रूप में नियोजित करने के लिए प्रेरित किया है। कूटनीति का मूल लक्ष्य उन संबंधों में देश के हितों की रक्षा करते हुए अन्य देशों के साथ संबंधों को बढ़ावा देना है।

निष्कर्ष

पर्यटन और वैश्वीकरण परस्पर जुड़ी हुई घटनाएँ हैं जो हाल के दशकों में काफी विकसित हुई हैं। वैश्वीकरण का तात्पर्य प्रौद्योगिकी, संचार, परिवहन और व्यापार में प्रगति के कारण देशों और संस्कृतियों के बीच बढ़ती हुई परस्पर संबद्धता और अन्योन्याश्रयता से है। दूसरी ओर, पर्यटन में अवकाश, मनोरंजन, व्यवसाय या अन्य उद्देश्यों के लिए लोगों का एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना शामिल है। जबकि वैश्वीकरण ने पर्यटन उद्योग के विकास को सुगम बनाया है, पर्यटन ने बदले में, दुनिया भर में लोगों, संस्कृतियों और अर्थव्यवस्थाओं को जोड़कर वैश्वीकरण के प्रसार में योगदान दिया है। हालाँकि, स्थानीय संस्कृतियों, पर्यावरण और समुदायों के लिए आर्थिक लाभ और संभावित नकारात्मक परिणामों दोनों पर विचार करते हुए, पर्यटन के प्रभावों को जिम्मेदारी से प्रबंधित करना महत्वपूर्ण है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

पाटिल, प्रो. संभाजी: प्रवास व्यवस्थापन एवं पर्यटन उद्योग, आथर्व प्रकाशन 2015

रावत, डॉ. शिवचंद सिंह: ऐतिहासिक पर्यटन, प्रतिभा प्रकाशन 2019

व्यास, राजेश कुमार: भारत में पर्यटन, प्रभात प्रकाशन 2016